MAGADH UNIVERSITY

BODH-GAYA

COURSES OF STUDIES

FOR

B. A. HONOURS, SUBSIDIARY & GENERAL

Part I, II & III Examination

IN

SANSKRIT

PRICE Rs. 10/-

Scanned with CamScanner

Magadh University

COURSES OF STUDDY

B.A. Hons. 1998 on ward

SANSKRIT

Part—I

स्नातक संस्कृत अनुपूरक एवं सामान्य

(Subsidiary & General)

प्रथम पत्र

(क) गद्य काव्य—शिवराज विजय—प्रथम निःश्वास		२० अङ्क
आलोचनात्मक प्रश्न—एक		१२ अङ्क
अनुवाद		८ अङ्क
(ख) पद्य काव्य—मेघदूत पूर्वमेघ—प्रथम ४० पद्य		३० अङ्क
आलोचनात्मक प्रश्न—एक		१२ अङ्क
अनुवाद	एक	८ अङ्क
व्याख्या	एक	१० अङ्क
(ग) नाटक—अभिशान शाकुन्तल		३० अङ्क
आलोचनात्मक प्रश्न—एक		१२ अङ्क
अनुवाद	एक	८ अङ्क
व्याख्या	एक	१० अङ्क

Scanned with CamScanner

Part—II

स्नातक संस्कृत अनुपूरक तथा सामान्य
(Subsidiary & General)

द्वितीय पत्र

१ संस्कृत साहित्य का इतिहास ४० अङ्क

पाठ्यांश—रामायण, महाभारत, पुराण, महाकाव्य, नाटक, गद्यकाव्य, कथा साहित्य तथा गीतिकाव्य।

२ अनुवाद ४० अङ्क

(क) हिन्दी/अंग्रेजी से संस्कृत २० अङ्क

(ख) संस्कृत से हिन्दी/अंग्रेजी २० अङ्क

३ व्याकरण—कारक प्रकरण (सिद्धान्त कौमुदी) २० अङ्क

कर्मप्रवचनीय —गत सूत्रों को छोड़कर

स्नातक संस्कृत प्रतिष्ठा
(Honours)
द्वितीय खण्ड (Part—II)

तृतीय पत्र **गद्यकाव्य**

१ कादम्बरी—शुकनासोपदेश

२ दशकुमारचरित—पूर्वपीठिका (पंचमोच्छ्वास)

३ शिवराज विजय (प्रथम द्वितीय निःश्वास)

आलोचनात्मक प्रश्न—तीन १६ × ३ = ४८ अङ्क

व्याख्या—दो ११ × २ = २२ अङ्क

अनुवाद—तीन १० × ३ = ३० अङ्क

Scanned with CamScanner

चतुर्थ पत्र — रूपक

१	अभिज्ञान शकुन्तल (कालिदास)	७२ अङ्क
२	चारुदत्त (भास)	२८ अङ्क
	अभिज्ञान शकुन्तल से	
	आलोचनात्मक प्रश्न—दो	२०×२=४० अङ्क
	व्याख्याएँ—दो	१०×२=२० अङ्क
	अनुवाद—दो	६×२=१२ अङ्क
	चारुदत्त से—	
	आलोचनात्मक प्रश्न—एक	२० अङ्क
	अनुवाद—एक	८ अङ्क

Part—III

स्नातक संस्कृत पासकोर्स (General) तृतीय खण्ड

तृतीय पत्र

(क)	संस्कृत निबन्ध—एक	३० अङ्क
(ख)	किरातार्जुनीय (प्रथम सर्ग)	४० अङ्क
	आलोचनात्मक प्रश्न—एक	१६ अङ्क
	व्याख्या—एक	१० अङ्क
	अनुवाद—दो	७×२=१४ अङ्क
(ग)	शुकनासोपदेश	३० अङ्क
	आलोचनात्मक प्रश्न—एक	१६ अङ्क
	अनुवाद—दो	७×२=१४ अङ्क

Scanned with CamScanner

तृतीय खण्ड प्रतिष्ठा

(Honours)

पंचम पत्र — **वैदिक वाङ्मय**

(क) संहिता—ऋक्सूतकनिकर, सम्पादक—डॉ० उमाशंकर शर्मा ऋषि चौखम्भा ओरियंटालिया (वाराणसी)

पाठ्यांश—प्रथम आठ सूक्त	३५ अङ्क
देवता परिचय—एक	६ अङ्क
अनुवाद—दो मन्त्रों का हिन्दी/अंग्रेजी में	१० अङ्क
व्याख्याएँ—दो (संस्कृत में)	१६ अङ्क

(ख) कठोपनिषद्—प्रथम तीन वल्लियां	२० अङ्क
व्याख्या—(संस्कृत) — एक	८ अङ्क
आलोचनात्मक प्रश्न—एक	१२ अङ्क

(ग) वैदिक व्याकरण	२० अङ्क
शब्दरूप—देव, शुचि (नपुं०), मति, मधु, राजन्, अस्मद्, युष्मद्	१० अङ्क
धातुरूप—भू, अद्, हु, दा, हृ, गम् (केवल लट् और लेट् लकारों में)	१० अङ्क

अनुशंसित पुस्तक—
स्नातक वैदिक व्याकरण—डॉ० उमाशंकर शर्मा ऋषि (चौखम्भा ओरियंटालिया) तथा डॉ० वीणा शर्मा

Scanned with CamScanner

(घ) वैदिक साहित्य का इतिहास— २५ अङ्क

पाठ्यांश— वेदों का काल, वेदों की विषय-वस्तु का संक्षिप्त परिचय, मन्त्र—ब्राह्मण—आरण्यक—उपनिषद्, वेदाङ्गों का सामान्य परिचय।

अनुशंसित पुस्तकें —

१ वैदिक साहित्य का इतिहास—डॉ० पारसनाथ द्विवेदी

२ वैदिक साहित्य और संस्कृति—पं० बलदेव उपाध्याय

३ वैदिक साहित्य और संस्कृति का स्वरूप—डॉ० ओम प्रकाश पाण्डेय

प्रकाशक—विश्व प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली—२

पष्ठ पत्र व्याकरण तथा भाषाविज्ञान

(क) व्याकरण के पारिभाषिक शब्दों का परिचय— २० अङ्क

गुण, वृद्धि, प्रगृह्य, प्रकृतिभाव, पूर्वरूप, पररूप, पद, भ प्रातिपदिक, संयोग, टि, घु, उपधा, अपृक्त, सर्वनामस्थान, घि, नदी, उपसर्जन, उपपद, परस्मैपद, आत्मनेपद, सार्वधातुक, आर्धधातुक, निष्ठा, कृत्य, धातु।

(ख) लघुसिद्धान्त कौमुदी—समास-प्रकरण ६० अङ्क

सूत्रव्याख्या—चार ५×४=१० अङ्क

रूपसिद्धि (सूत्रोल्लेख-सहित) चार ५×४=२० अङ्क

Scanned with CamScanner

समस्त पदों का विग्रह—पांच २×५=१० अङ्क

विग्रह वाक्यों का समस्त रूप– पांच २×५= १० अङ्क

(ग) भाषा विज्ञान २० अङ्क

(अ) भाषा की उत्पत्ति—भाषा की परिभाषा-भाषा और बोली। १० अङ्क

(आ) वागिन्द्रयों का परिचय—ध्वनियों का वर्गीकरण—स्वर और व्यंजन। १० अङ्क

अनुशंसित पुस्तक—भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र (कपिलदेव द्विवेदी)

सप्तम पत्र काव्यशास्त्र तथा छन्द

(क) साहित्य दर्पण—प्रथम से तृतीय परिच्छेद तक एवं दशम परिच्छेद से केवल निम्नलिखित अलंकार—

अनुप्रास, यमक, उपमा, अनन्वय, रूपक, सन्देह, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, दीपक, निदर्शना, व्यतिरेक, समासोक्ति, अर्थान्तरन्यास, विभावना, विशेषोक्ति विरोध, परिसंख्या, प्रतीप, तदगुण, संसृष्टि तथा संकर। ८५ अङ्क

आलोचनात्मक प्रश्न—तीन २०×३=६० अङ्क

अलंकारों पर टिप्पणियां—पांच ५×५=२५ अङ्क

(ख) छन्द—अनुष्टुप, आर्या, वंशस्थ, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, वसन्ततिलका, मन्दाक्रान्ता, मालिनी, शिखरिणी, शार्दूल-विक्रीडित, भुजगप्रयात, स्रग्धरा, हरिणी। १५ अङ्क

Scanned with CamScanner

अष्टम पत्र **रचना तथा अभिलेख**

(क) संस्कृत निबन्ध — २० अङ्क

(ख) संस्कृत से हिन्दी/अंग्रेजी में अनुवाद २० अङ्क

(ग) हिन्दी/अंग्रेजी से संस्कृत में अनुवाद २० अङ्क

(घ) वाक्य रचना (शब्दों का प्रयोग)/अशुद्धि-संशोधन २० अङ्क

(ङ) अभिलेख—अशोक के प्रथम चार स्तम्भलेख २० अङ्क
तथा ऐहोल शिला लेख

अनुशंसित पुस्तक—अभिलेखनिकर;
सम्पादक—डॉ० उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'
प्रकाशक—मोतीलाल बनारसीदास, पटना—४

—:०:—

Scanned with CamScanner